RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मानसून जी आ गये, अजी बन गई बात।
बता रहे हैं सात तक, होनी है बरसात।
होनी है बरसात, काम पर इनके लीचड़।
ऊपर झमझम गिरे, मगर नीचे है कीचड़।
कह साहिल कविराय, खत्म हो गया जून जी।
राहत मिलने लगी, आ गया मानसून जी।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 176 | FRIDAY 03-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

नहरी वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट की आड में सरेआम करप्शन

कनेक्शन के नाम पर हर घर से 6000 की वसूली, अफसरों की अनदेखा या कुछ और

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/2 जुलाई। लुधियाना कारपोरेशन में अक्सर ही जनता द्वारा टैक्स में दिए पैसों में हेरफेर करने के आरोप लगते हैं। लेकिन इस बार एक अनोखा मामला सामने आया है। जिसमें ठेकेदारों द्वारा घुमा फिराकर नहीं सीधा ही लोगों से पेमेंट मांगकर करप्शन की जा रही है। लेकिन नियम देखें तो पेमेंट नहीं ली जा सकती। दरअसल, पूरे पंजाब में नहरी जल को घरों तक पहुंचाने के लिए वाटर सप्लाई पाइपलाइन बिछाई जा रही है। वर्ल्ड बैंक ने इस प्रोजेक्ट के लिए साढ़े 1400 करोड़ लुधियाना कारपोरेशन को दिए हैं। लेकिन यह प्रोजेक्ट लोगों को सुविधा देने की जगह समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, इस प्रोजेक्ट के ठेकेदारों द्वारा कारिंदों के जरिए कनेक्शन व तोड़फोड़ के नाम पर 1500 से लेकर 6000 रुपए तक लेकर जमकर करप्शन की जा रही है। यहीं नहीं इस पेमेंट के अलावा पाइप और अन्य सामान का खर्च अलग से देना होगा। ठेकेदार मोनू का कहना है कि उन्हें निगम इसके पैसे नहीं देता, तो हम पैसे लेगें। हल्का साउथ में पड़ते वॉर्ड 31 की विश्वकर्मा कॉलोनी में यह मामला सामने आया है। इलाके की गली नंबर 13 की एक वीडियो भी सामने आई है। जिसमें ठेकेदार मोनू के कारिंदे पैसे मांग रहे हैं, जबकि बाद में ठेकेदार से पूछने पर उसने भी पैसे देने की बात कही है। अब इसमें अफसरों की अनदेखी है या कुछ और, यह तो अधिकारी ही बता सकते हैं। इससे जनता में काफी रोष है।

विश्वकर्मा कॉलोनी में तोड़ी गई सड़क

वर्ल्ड बैंक निगम को अदा कर रहा हर चीज का पैसा

लुधियाना का यह जल सप्लाई पाइपलाइन प्रोजेक्ट करीब साढ़े 1400 करोड़ का है। वर्ल्ड बैंक इसमें फाइनेंस कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत नहरी पानी 24/7 यानि कि सातों दिन और 24 घंटे लोगों के घरों में आएगा। इसका टेंडर पंजाब सरकार ने कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड कंपनी को अलॉट किया है। इसकी सुपरवीजन कारपोरेशन लुधियाना और पंजाब वाटर एंड सीवरेज सप्लाई बोर्ड कर रहे हैं। प्रोजेक्ट के तहत सभी इलाकों में पाइपलाइन बिछाकर घरों की लाइन से अटैच किया जाएगा। वर्ल्ड बैंक द्वारा मेन लाइन बिछाने से लेकर घरों की पाइप से अटैच करने तक के लिए पैसा दिया गया है। निगम वहीं पैसा ठेकेदारों को दे रहा है। जिसके मुताबिक पैसा लिया नहीं जा सकता।

पाइप और होदी तोड़ने की भरपाई करेगा ठेकेदार

पाइपलाइन बिछाने के लिए गलियों की एक साइड करीब पांच फीट गहरा खड्डा खोदा जा रहा है। जिसमें नई लाइन बिछाकर घरों की पानी सप्लाई से अटैच किया जा रहा है। इस खुदाई के दौरान अगर किसी घर की सीवरेज-पानी की पाइप या होदी टूट जाए तो इसका खर्च ठेकेदार को चुकाना होगा। जिन ठेकेदारों को ठेका मिला है, उनकी शर्तों में यह चीजें क्लियर है। लेकिन ठेकेदार अपना पैसा बचाने के लिए जनता से ही रिपेयर करवा रहे हैं। अगर कोई ठेकेदार पैसे मांगता है तो तुरंत इसकी शिकायत निगम कमिश्नर से की जा सकती है।

क्या लीडरों के समर्थकों को नहीं है जानकारी

ढोलेवाल की विश्वकर्मा कॉलोनी में चल रहे इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी राजनेताओं द्वारा वॉर्ड में मौजूद उनके नेताओं को दे रखी है। नेता रोजाना चक्कर भी लगा रहे हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि फिर भी सरेआम लोगों से अवैध वसूली हो रही है। चर्चाएं हैं कि या तो नेताओं के समर्थकों की भी मिलीभगत है या उन्हें इस करप्शन का पता ही नहीं चल पा रहा।

अवैध वसूली की होती है बांदर बांट

- चर्चा है कि इस अवैध वसूली से रोजाना हजारों रुपए की कमाई हो रही है। यह रकम सिर्फ ठेकेदार द्वारा ही नहीं रखी जाती, बल्कि आगे भी बांटी जाती है। जिसमें निगम व वाटर सप्लाई विभाग के अधिकारियों को भी हिस्सा पहुंचता है। चर्चा है कि कई नेतागन भी इस खेल में शामिल है।

लोगों पर लटकाई जा रही तलवार

- इलावा निवासियों के मुताबिक गलियां तोड़ने से पहले ठेकेदार और उनके कारिंदों द्वारा पहले पेमेंट लेने संबंधी कोई बात नहीं कही जाती। लेकिन जब-जब जिस घर के आगे खुदाई होती है, साथ साथ उन्हें कह दिया जाता है कि पेमेंट दो, तभी पाइप जोड़ी जाएगी। अगर पेमेंट न दी तो ऐसे ही लाइन बंद कर देगें। जनता के ऊपर तलवार लटका दी जाती है, ताकि वे किसी को शिकायत भी न कर सके और तुरंत पैसे भी दे।

हर चीज का रेट फिक्स, मिस्त्री भी देगा ठेकेदार

ठेकेदार द्वारा हर चीज का रेट फिक्स किया हुआ है। लोगों से पाइप कनेक्शन जोड़ने के 1500 रुपए, पाइपें टूटने पर नई लगाने के 1500 और होदी टूटने पर नई बनवाने के 4000 रुपए फिक्स कर रखे हैं। अब हर घर के बाहर होदी है, जो टूटेगी। ठेकेदार-अफसरों की मिलीभगत यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी और से अपने मिस्त्री भी नियुक्त कर रखे हैं। जो व्यक्ति पैसे दे देता है, उन्हें मिस्त्री भी ठेकेदार देता है। ठेकेदार के कारिंदे ने बताया कि मिस्त्री ठेकेदार के पास नौकरी करता है। इस लिए पैसा ठेकेदार ही लेगा।

लोगों से पैसे लेना इललीगल, एक्शन लिया जाएगा

हल्का साउथ से विधायक राजिंदर पाल कौर छीना का कहना है कि नहरी पानी घरों तक पहुंचाने के लिए यह प्रोजेक्ट चल रहा है। निगम द्वारा ठेकेदारों को पाइप डालने और कनेक्शन करने के पैसे दिए जा रहे हैं। अगर ठेकेदार पैसे ले रहा है, तो यह इललीगल है। वॉर्ड 31 से आप नेता को इसकी जांच के लिए कहा जा रहा है। जांच करके एक्शन लिया जाएगा।

जनता के लिए सूचना, पैसे मांगे वापिस

वहीं एक्सपर्ट की मानें तो अभी कनेक्शन किए ही नहीं जा सकते। जब तक पाइपलाइन में पानी नहीं आता, तब तक कैसे कनेक्शन होंगे। इस लाइन को शुरू होने में अभी छह महीने लग जाएगे। वहीं एक्सपर्ट मुताबिक सरकार जब सड़कें या सीवरेज लाइन बनाती है, तो क्या जनता से पैसे लिए जाते हैं। बस उसी तरह इसमें भी जनता से पैसे नहीं ले सकते। यह काम सरकार का है। अगर किसी ने पैसे दिए हैं तो वे अधिकारियों को शिकायत करके पेमेंट वापिस ले सकते हैं।

हमें सिर्फ पाइप डालने के पैसे मिल रहे

ठेकेदार मोनू मुताबिक हमारे पास ठेका सिर्फ पाइप डालने का है। कनेक्शन जोड़ने के हमें निगम पैसे नहीं देता। कनेक्शन कराना है तो आप अपने पैसे लगाएं। बाहर से मिस्त्री आएगा तो 3500 रुपए लेगा, हमारे वर्कर करेगें तो 1500 रुपए लेगें, बस यहीं फर्क है। विश्वकर्मा कॉलोनी की गली नंबर 14 व 15 में भी लोगों ने पैसे देकर काम करवाया है।

हमें तोड़ने के आदेश, खर्च सारा आपका

ठेकेदार के कारिंदों का कहना है कि उन्हें ठेकेदार की तरफ से होदी और सीवरेज तोड़ने के आदेश है। उसके बाद पाइप डाली जाएगी। फिर होदी बनाने का जो खर्च आएगा, वे भी जनता का होगा। नहीं पैसे दोगे, तो हम बीच ही छोड़कर चले जाएंगे। सरकार द्वारा जनता को सुविधा देने की जगह नई समस्या खड़ी कर दी है।

ठेकेदार पर लिया जाएगा एक्शन

एक्सियन मनप्रीत सिंह ने कहा कि निगम द्वारा ठेकेदार को हर चीज की पेमेंट की जा रही है। जनता से पैसे लेने का कोई मतलब ही नहीं है। मेरी तरफ से खुद मौके पर जाकर लोगों को पैसे न देने की बात कही गई थी। पाइपलाइन बिछाते हुए अगर होदी या कोई अन्य पाइप टूटेगी तो भी ठेकेदार ही रिपेयर करेगा। अगर पैसे लेने की बात सही हुई, तो जांच कर ठेकेदार पर एक्शन लिया जाएगा। करप्शन बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूटर्न टाइम

सरकारी स्कूल से DMC के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट तक: डॉ. बिशव मोहन, सफलता से लेकर जिंदगी बचाने तक का साँझा किया संघर्ष

भारत में जब भी हृदय रोग विशेषज्ञों की बात होती है, तो डीएमसी हॉस्पिटल, लुधियाना के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. बिशव मोहन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। हजारों मरीजों का सफल इलाज कर चुके डॉ. बिशव मोहन आज न केवल एक प्रतिष्ठित हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान रखते हैं। लेकिन एक छोटे से कस्बे से निकलकर देश के प्रतिष्ठित संस्थान AIIMS से डीएम (कार्डियोलॉजी) करने और फिर डीएमसी हॉस्पिटल में वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट बनने तक का उनका सफर संघर्ष, मेहनत, अच्छे शिक्षकों, परिवार के सहयोग और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। इस विशेष बातचीत में डॉ. बिशव मोहन ने अपने बचपन, डॉक्टर बनने की प्रेरणा, मेडिकल शिक्षा में आए बदलाव, बढ़ती फीस, युवाओं के सामने मौजूद चुनौतियों और हर व्यक्ति को जानना चाहिए ऐसी जरूरी फर्स्ट एड एवं इमरजेंसी मेडिकल जानकारी पर खुलकर चर्चा की।

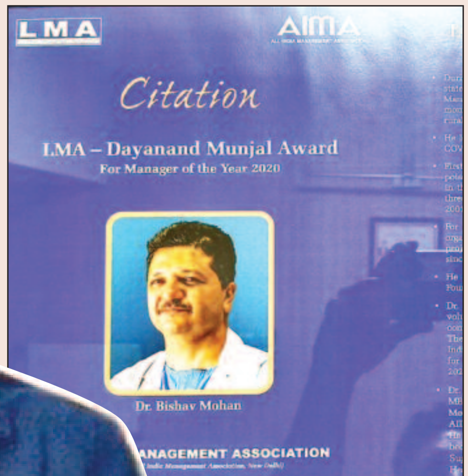

हार्ट अटैक की पहचान कैसे करें?

डॉ. बिशव मोहन: हार्ट अटैक का दर्द केवल सीने में ही नहीं होता। यह दर्द गर्दन, जबड़े, पीठ, कंधे, हाथ या पेट में भी महसूस हो सकता है। अगर ऐसा दर्द पहली बार हो रहा है और लगातार बना हुआ है तो इसे गैस समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मरीज को आराम से बैठाएं, ढीले कपड़े पहनाएं और तुरंत अस्पताल लेकर जाएं। समय पर ECG और इलाज से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

उस समय अधिकतर परिवारों में दो ही विकल्प होते थे— डॉक्टर या इंजीनियर। आपके सामने भी यही स्थिति थी?

डॉ. बिशव मोहन: बिल्कुल। मैंने आगे की पढ़ाई बरनाला में की। उस समय आज की तरह सोशल मीडिया नहीं था, न करोड़ों के पैकेज की चर्चा होती थी। गांवों में फैमिली डॉक्टर का बहुत सम्मान था। लोग उन्हें परिवार का सदस्य मानते थे। 11वीं कक्षा में मेरे सामने मेडिकल और नॉन-मेडिकल दोनों विकल्प थे। परिवार, शिक्षकों और मेरे बड़े भाई ने सलाह दी कि मुझे मेडिकल लाइन में जाना चाहिए। मैंने उनकी बात मानी और यही फैसला मेरी जिंदगी बदल गया। मैं हमेशा कहता हूं कि जीवन में तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं— अच्छे माता-पिता, अच्छे गुरु और अच्छी संगत। अगर ये तीनों सही मिल जाएं तो एक सामान्य छात्र भी बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।

आज पूरा देश आपको एक वरिष्ठ डॉक्टर और कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में जानता है, लेकिन आपकी डॉक्टर बनने की शुरूआत कैसे हुई?

डॉ. बिशव मोहन: मैं पंजाब के बठिंडा जिले के छोटे से कस्बे रामपुरा फूल से हूं। हमारा परिवार स्पेयर पार्ट्स और रिपेयरिंग का काम करता था। मेरे बड़े भाई बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) हैं। गांवों में एक परंपरा होती है कि अगर परिवार में कोई डॉक्टर हो तो दूसरे भाई-बहनों को भी लोग डॉक्टर कहकर बुलाने लगते हैं। लोग मुझे भी बचपन में 'डॉक्टर' कहने लगे थे। मेरी पढ़ाई सरकारी स्कूल में हुई। वहां के शिक्षकों ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गांव तक सीमित मत रहो, डॉक्टर बनो और समाज के लिए कुछ बड़ा करो। मेरी मां पढ़ी-लिखी नहीं थीं, लेकिन उनकी सोच बहुत बड़ी थी। उन्होंने हमेशा अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेटों और बेटियों में कभी फर्क नहीं किया। उनकी यही सोच थी कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और समाज में अपनी पहचान बनाएं। अगर मैं आज यहां तक पहुंच पाया हूं तो उसका सबसे बड़ा श्रेय मेरी मां, मेरे शिक्षकों और मेरे परिवार को जाता है।

क्या उस समय मेडिकल शिक्षा इतनी महंगी नहीं थी?

डॉ. बिशव मोहन:
नहीं। जब मैंने MBBS की, तब सालाना फीस लगभग 300 रुपये थी। AIIMS में तो फीस भी नहीं थी, बल्कि हमें स्टाइपेंड मिलता था। रेजिडेंसी के दौरान भी इतना स्टाइपेंड मिलता था कि आराम से जीवन चल जाता था। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी लाखों रुपये की फीस हो गई है। निजी कॉलेजों और NRI कोटे की फीस तो और भी ज्यादा है। इसके अलावा कोचिंग का खर्च अलग है। आज गांव, मध्यम वर्ग और सामान्य परिवार के बच्चों के लिए डॉक्टर बनने का सपना आर्थिक कारणों से कठिन होता जा रहा है। यह केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है।

अक्सर लोग कहते हैं कि डॉक्टर बनना चाहते हैं लेकिन खर्च बहुत ज्यादा है।

डॉ. बिशव मोहन: सरकार कई जगह सहायता देती है, लेकिन कुल मिलाकर मेडिकल शिक्षा पहले की तुलना में काफी महंगी हो चुकी है। डॉक्टर बनने के लिए केवल कॉलेज की फीस ही नहीं, बल्कि वर्षों की तैयारी, कोचिंग, रहने और पढ़ाई का खर्च भी जुड़ जाता है। यही वजह है कि आज बहुत से प्रतिभाशाली छात्र आर्थिक कारणों से पीछे रह जाते हैं।

मेडिकल कॉलेज से AIIMS तक का सफर कैसे तय हुआ?

डॉ. बिशव मोहन:
मैंने पटियाला मेडिकल कॉलेज से MBBS और फिर MD मेडिसिन की। इसके बाद मेरे मन में कार्डियोलॉजी करने का विचार आया। उस समय पंजाब में बहुत कम कार्डियोलॉजिस्ट थे। मैंने पहले दिल्ली के एस्कॉर्ट्स अस्पताल में प्रशिक्षण लिया। गांव से निकलकर जब पहली बार दिल्ली पहुंचा तो वहां की आधुनिक तकनीक, बड़े अस्पताल और विशेषज्ञ डॉक्टरों को देखकर लगा कि मैं बिल्कुल नई दुनिया में आ गया हूं। मैं हमेशा मरीजों के लिए मेहनत करने में विश्वास रखता था। मेरे वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी मेरी मेहनत देखकर मुझे AIIMS की प्रवेश परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। उस समय पूरे देश में केवल तीन सीटें थीं। मैंने परीक्षा दी और सौभाग्य से मेरा चयन हो गया। सरकारी स्कूल से पढ़ाई करने वाला एक साधारण छात्र AIIMS में DM कार्डियोलॉजी तक पहुंच गया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था।

हर घर में छोटी-बड़ी मेडिकल इमरजेंसी आती है, लेकिन लोगों को सही फर्स्ट एड की जानकारी नहीं होती। आखिर आम लोगों को क्या-क्या जरूर पता होना चाहिए?

डॉ. बिशव मोहन: हर व्यक्ति को दो चीजें अवश्य सीखनी चाहिए— पहली, फर्स्ट एड और दूसरी, जीवन बचाने वाली इमरजेंसी तकनीकें।

जलने पर क्या करें?

सबसे बड़ी गलती लोग यह करते हैं कि जलने पर तुरंत क्रीम या बर्नोल लगा देते हैं। असल में सबसे अच्छा इलाज है कि जले हुए हिस्से को लगातार सामान्य बहते हुए नल के पानी के नीचे रखें। इससे जलन कम होती है, त्वचा को नुकसान कम पहुंचता है और संक्रमण का खतरा भी घटता है।

चोट लगने पर क्या करें?

अगर कहीं चोट लगी हो और खून निकल रहा हो तो सबसे पहले उस स्थान पर दबाव बनाकर खून रोकने की कोशिश करें। अगर सिर पर चोट लगी हो तो बर्फ से सिकाई की जा सकती है लेकिन मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना जरूरी है।

तेज बुखार में क्या करें?

104-105 डिग्री बुखार देखकर लोग घबरा जाते हैं और तुरंत इंजेक्शन या दवा ढूंढने लगते हैं। लेकिन पहले शरीर का तापमान कम करना जरूरी होता है। सामान्य तापमान वाले पानी से शरीर की स्पंजिंग करें। माथे, गर्दन, बगल, हथेलियों और पैरों के तलवों पर बार-बार पानी लगाएं। जब तापमान थोड़ा कम हो जाए, तभी दवा अधिक प्रभावी होती है।

दस्त और उल्टी होने पर क्या करें?

- सबसे बड़ा खतरा संक्रमण नहीं बल्कि डिहाइड्रेशन होता है। शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। ऐसे में ORS सबसे अच्छा उपाय है। अगर ORS उपलब्ध न हो तो साफ पानी में नमक और चीनी मिलाकर घोल तैयार किया जा सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में विशेष सावधानी जरूरी है क्योंकि डिहाइड्रेशन से किडनी पर गंभीर असर पड़ सकता है।

क्या हर बुखार में एंटीबायोटिक लेनी चाहिए?

- बिल्कुल नहीं। 95 प्रतिशत मामलों में लोगों को एंटीबायोटिक की जरूरत ही नहीं होती। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इससे भविष्य में दवाओं का असर भी कम हो सकता है।

मिर्गी का दौरा पड़ने पर लोग क्या करें?

- डॉ. बिशव मोहन: सबसे पहले घबराएं नहीं। मरीज को पकड़कर रोकने की कोशिश न करें। उसके मुंह में जूता, चम्मच, पानी या कोई दूसरी चीज बिल्कुल न डालें। उसे सुरक्षित स्थान पर लिटाएं। अधिकतर दौरे कुछ मिनट में अपने आप रुक जाते हैं। दौरा खत्म होने के बाद मरीज को करवट के बल लिटाएं ताकि सांस लेने में परेशानी न हो और कोई तरल पदार्थ फेफड़ों में न जाए।

पेज 06 श्रद्धालुओं के चेहरों पर दिखी खुशी, तीर्थ यात्रा के...

24 घंटे का अल्टीमेटम समाप्त, फिर भी न्यू दाना मंडी की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बरकरार, कार्रवाई पर उठे सवाल

लुधियाना/यूटर्न/2 जुलाई। लुधियाना के जालंधर बाईपास नजदीक स्थित न्यू दाना मंडी में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से किए अतिक्रमण और रेत-बजरी के भंडारण खिलाफ हाल ही में मार्केट कमेटी और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान मौके से कुछ सामग्री उठाई गई, जबकि शेष अवैध रूप से रखी सामग्री और कब्जा स्वयं हटाने के लिए कब्जाधारियों को 24 घंटे का अंतिम अल्टीमेटम दिया गया था।

चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित समय के भीतर भूमि खाली नहीं करने पर सामग्री, मशीनरी तथा अन्य उपकरण जब्त कर लिए जाएंगे और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब मंगलवार को दिया गया 24 घंटे का अल्टीमेटम समाप्त हो चुका है, लेकिन सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा और रेत-बजरी का भंडारण अभी भी बरकरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद न तो कब्जा हटाया गया और न ही व्यापक जब्ती की कार्रवाई की गई। मार्केट कमेटी की ओर से आगे की कार्रवाई को लेकर भी कोई सार्वजनिक जानकारी या आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

पहले से ज्यादा किए कब्जे

स्थानीय लोगों का दावा है कि अब अतिक्रमण पहले के मुकाबले और अधिक मजबूत हो गया है। उनके अनुसार कब्जाधारियों ने मौके पर अस्थायी कमरे (टेम्परेरी शेड) बना दिए गए हैं तथा पानी की सप्लाई जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई हैं, जिससे सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा स्थायी रूप लेने की आशंका जताई जा रही है।

पहले से निर्देश के बावजूद नहीं लिया एक्शन

सूत्रों के अनुसार, मार्केट कमेटी और पुलिस के बीच पिछले कई महीनों से हुए आधिकारिक पत्राचार में अवैध रूप से रखी सामग्री, मशीनरी तथा अन्य उपकरणों को जब्त करने के निर्देशों और प्रस्तावों का उल्लेख किया जाता रहा है। इसके बावजूद हालिया अभियान के दौरान मौके पर मौजूद किसी भी मशीनरी को जब्त नहीं किया गया। इसे लेकर स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल उठ रहे हैं कि यदि जब्ती के निर्देश पहले से मौजूद थे, तो अभियान के दौरान उनका पालन क्यों नहीं किया गया।

एक दूसरे को लेटर भेज की जा रही खानापूर्ति

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देशों के बाद शुरू हुई। उनका आरोप है कि पिछले कई वर्षों से स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय केवल पत्राचार, रिपोर्टों और कागजी औपचारिकताओं तक ही मामला सीमित रखा गया। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि अब जब संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय हुई, तब औपचारिक कार्रवाई कर तस्वीरें लेकर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजने का प्रयास किया गया। हालांकि, इन आरोपों और चर्चाओं की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है तथा संबंधित अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी।

क्या प्रशासन छुड़वा पाएगा कब्जा

अब स्थानीय लोगों की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या प्रशासन वास्तव में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराएगा, अवैध रूप से रखी सामग्री और मशीनरी को जब्त करेगा तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करेगा, या फिर यह पूरा अभियान केवल अल्टीमेटम, कागजी कार्रवाई और औपचारिक निरीक्षण तक ही सीमित रह जाएगा।

पंजाब कांग्रेस में म्यूज़िकल चेयर खत्म हुई, तेवारी के हिस्से कुर्सी नहीं आई

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। पंजाब कांग्रेस के संगठनात्मक बदलाव में जगह न मिलने के बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी संदेश पोस्ट करके अपनी निराशा जाहिर की। पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए नई लीडरशिप और चुनाव समितियों की घोषणा की थी, जिसके ठीक बाद उन्होंने यह पोस्ट किया।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) ने बुधवार को अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PPCC) का अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए रखा। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया, जबकि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को कोर कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया। पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति (Election Management and Coordination Committee) के प्रमुख होंगे, और सांसद अमर सिंह को घोषणापत्र समिति (Manifesto Committee) की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

खास बात यह है कि इस लिस्ट में तिवारी का नाम नहीं था, जो पूर्व केंद्रीय मंत्री और

पंजाब में कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। घोषणा के तुरंत बाद, तिवारी ने (पहले ट्विटर) पर बदलाव के बारे में एक न्यूज रिपोर्ट शेयर की और साथ में एक तीखा संदेश भी लिखा।

'है बड़ा कोई अवगुण उसमें जिसे कोई हुनर आवे। काश मेरे पास लोगों और संस्थाओं की असुरक्षा की भावना का कोई इलाज होता! इसके बावजूद, कांग्रेस ने मुझे पिछले 45 सालों में बहुत कुछ दिया है और मैंने भी अपनी पूरी वयस्क ज़िंदगी इंडियन नेशनल कांग्रेस की सेवा में समर्पित की है। 'के सेरा, सेरा' (Que sera, sera) - जो होगा, सो होगा।'

हालांकि तिवारी ने किसी का नाम नहीं लिया और न ही अपनी टिप्पणी का कारण बताया, लेकिन इस पोस्ट को संगठनात्मक ढांचे में बदलाव के दौरान उन्हें शामिल न किए जाने पर निराशा के छिपे हुए इजहार के तौर पर देखा गया। 'लोगों और संस्थाओं की असुरक्षा' का उनका ज़िक्र पंजाब कांग्रेस के भीतर पनप रहे असंतोष के बारे में अटकलों को भी हवा दे रहा है। तिवारी ने हाल ही में संकेत दिया था कि पंजाब में पार्टी के संगठनात्मक पुनर्गठन पर उनसे कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया था। उन्होंने सुझाव दिया था कि ऐसी प्रक्रिया चुनावों से काफी पहले की जानी चाहिए ताकि नई टीम को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। यह फेरबदल ऐसे समय में हुआ है जब कांग्रेस 2022 में पंजाब में सत्ता गंवाने के बाद 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करने की कोशिश कर रही है। वारिंग और बाजवा को बनाए रखते हुए और चन्नी को चुनाव प्रचार में अहम भूमिका सौंपकर, पार्टी ने निरंतरता बनाए रखने का फैसला किया है और साथ ही राज्य इकाई के विभिन्न गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। हालांकि, तिवारी की सार्वजनिक प्रतिक्रिया ने एक बार फिर पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान को उजागर कर दिया है, जबकि पार्टी आने वाली चुनावी लड़ाई के लिए एकजुटता दिखाने और अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

EUROBIKE 2026 में छाया भारत का दम, एवन न्यूएज साइकिल्स की प्रीमियम रेंज को मिली सराहना

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। दुनिया की सबसे बड़ी साइकिल और फ्यूचर मोबिलिटी प्रदर्शनी EUROBIKE 2026 में भारतीय कंपनी एवन न्यूएज साइकिल्स ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संगठन महासंघ (FICO) के अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह कुलार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी के स्टॉल का दौरा कर यूरोपीय बाजार के लिए तैयार की गई प्रीमियम साइकिलों की सराहना की।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एवन न्यूएज साइकिल्स के प्रबंध निदेशक ओंकार सिंह पाहवा और संयुक्त प्रबंध निदेशक ऋषि पाहवा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कंपनी ने यूरोपीय मानकों और उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी साइकिलों का प्रदर्शन कर भारतीय विनिर्माण क्षमता का शानदार परिचय दिया है। FICO अध्यक्ष गुरमीत सिंह कुलार ने कहा कि भारत से यूरोप को होने वाला साइकिल निर्यात अभी भी अपनी वास्तविक क्षमता से काफी कम है। उनके अनुसार EUROBIKE जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियां भारतीय कंपनियों को नए वैश्विक साझेदार बनाने, बाजार की बदलती मांग को समझने और निर्यात बढ़ाने का बेहतरीन अवसर देती हैं। उन्होंने कहा कि एवन न्यूएज साइकिल्स ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और गुणवत्ता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि न केवल कंपनी बल्कि पूरे भारतीय साइकिल उद्योग के लिए गर्व की बात है और अन्य निर्यातकों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

नगला सुखना चोआ के पास अवैध खनन, अज्ञात लोगों पर केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। नगला सुखना चोआ गांव के पास कथित अवैध खनन के मामले में जीरकपुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कार्रवाई जल निकासी विभाग के अधिकारियों की रिपोर्ट और मौके की जांच के आधार पर की गई है। जानकारी के अनुसार, 1 जुलाई को शाम करीब चार बजे जल निकासी विभाग के जेई शिव चरण और जेई मनप्रीत शर्मा ने नगला सुखना चोआ क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर बड़े पैमाने पर मिट्टी और बजरी की खुदाई मिली। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार करीब 6,880 वर्ग फुट क्षेत्र में 10 फुट गहराई तक खुदाई की गई थी, जिससे लगभग 68,800 घन फुट मिट्टी/बजरी का अवैध खनन होना पाया गया।

हालांकि निरीक्षण के दौरान मौके से कोई जेसीबी, टिपर, ट्रैक्टर या अन्य मशीनरी बरामद नहीं हुई। इसके बाद जल निकासी विभाग ने पुलिस को पत्र भेजकर खान एवं खनिज अधिनियम, 1957 की धारा 21(1) और 4(1) के तहत कार्रवाई की सिफारिश की। आवेदन मिलने के बाद एसआई जसवंत सिंह ने एएसआई जोगिंदर सिंह और पुलिस टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। जांच में विभागीय रिपोर्ट सही पाए जाने पर पुलिस स्टेशन जीरकपुर में अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। अवैध खनन में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में मजदूरों की बल्ले-बल्ले, अब रोज मिलेंगे 409 रुपये

वीबी जीरामजी योजना लॉन्च, 7 दिन में खाते में पहुंचेगी मजदूरी, बायोमेट्रिक हाजिरी होगी अनिवार्य

चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र/यूटर्न/02 जुलाई। हरियाणा सरकार ने ग्रामीण मजदूरों को बड़ी राहत देते हुए विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी जीरामजी) के तहत देश में सबसे अधिक 409 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने का ऐलान किया है। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र के शहजादपुर गांव से योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि अब मजदूरी का भुगतान 15 दिन नहीं, बल्कि सिर्फ 7 दिन में सीधे श्रमिकों के बैंक खाते में होगा। उन्होंने बताया कि योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अब कार्यस्थल पर बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य रहेगी। भुगतान में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि योजना के संचालन के लिए केंद्र सरकार ने 590.19 करोड़ रुपये, जबकि हरियाणा सरकार ने करीब 370 करोड़ रुपये जारी किए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण और सत्यापन के बाद पात्र श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर रोजगार मिलेगा। यदि तय समय में रोजगार नहीं मिला तो बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा खेती के सीजन में श्रमिकों को 60 दिन का अवकाश भी मिलेगा।

318 तरह के काम होंगे शामिल

कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि योजना के तहत 318 प्रकार के कार्य कराए जाएंगे। इनमें जल संरक्षण, ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण बाजार, कौशल विकास और जलवायु परिवर्तन से जुड़े कार्य शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य गांवों में रोजगार बढ़ाने के साथ-साथ आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

महिलाओं को मिलेगा विशेष लाभ

योजना में महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण और कौशल विकास से जोड़ा जाएगा। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 5 लाख 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से करीब 3 लाख महिलाएं पहले ही इस मुकाम तक पहुंच चुकी हैं।

केंद्र सरकार को दिए अहम सुझाव

मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष योजना में कई सुधार संबंधी सुझाव रखे गए हैं। इनमें श्रमिकों के लिए 2 लाख रुपये का बीमा, रिक्त पदों पर भर्ती, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के रखरखाव कार्य को वीबी जीरामजी से जोड़ने और आवास योजनाओं की किश्तें समय पर जारी करने की मांग प्रमुख हैं।

हरियाणा बोर्ड ने जारी किए जुलाई परीक्षा के एडमिट कार्ड, आज से करें डाउनलोड

9 जुलाई से शुरू होंगी सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी की कंपार्टमेंट व अंक सुधार परीक्षाएं, 50 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

चंडीगढ़/भिवानी/यूटर्न/02 जुलाई। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (इएएल) ने जुलाई-2026 में आयोजित होने वाली सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी कंपार्टमेंट, आंशिक अंक सुधार और अतिरिक्त विषयों की परीक्षाओं के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि परीक्षार्थी 2 जुलाई से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

इस बार प्रदेशभर में 50,867 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें सीनियर सेकेंडरी की एक दिवसीय परीक्षा 9 जुलाई को होगी, जिसमें 24,888 विद्यार्थी शामिल होंगे। वहीं सेकेंडरी की कंपार्टमेंट, अंक सुधार और अतिरिक्त विषयों की परीक्षाएं 10 से 18 जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। इनमें 25,979 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जिन विद्यार्थियों का परिणाम पुनर्मूल्यांकन या यूएमसी अपील के बाद अनुत्तीर्ण से कंपार्टमेंट में बदला है, वे बिना विलंब शुल्क आवेदन कर सकते हैं। वहीं जिन अभ्यर्थियों ने अब तक आवेदन नहीं किया है, वे 1,000 रुपये विलंब शुल्क के साथ ऑफलाइन आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

बोर्ड ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के बाद उस पर दर्ज सभी विवरण ध्यान से जांच लें। किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित समय के भीतर बोर्ड कार्यालय में सुधार कराना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थियों को रंगीन एडमिट कार्ड अ-4 साइज पेपर पर प्रिंट करना होगा। प्रवेश-पत्र पर वही फोटो चिपकानी होगी जो आवेदन के समय अपलोड की गई थी तथा इसे विद्यालय के प्राचार्य, मुख्याध्यापक या किसी राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित कराना होगा। एडमिट कार्ड और मूल आधार कार्ड/आईडी के बिना परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

बोर्ड ने निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षार्थी परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले केंद्र पर पहुंचें। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। किसी भी समस्या की स्थिति में परीक्षार्थी बोर्ड की हेल्पलाइन या संबंधित शाखा की ई-मेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

लुधियाना (देहाती) पुलिस का नशा तस्करों के खिलाफ बड़ा प्रहार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/2/जुलाई। लुधियाना (देहाती) पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए नशा बेच रहे तस्करों को भारी मात्रा में हेरोइन के साथ रंगे हाथों काबू किया है। इस कार्रवाई के बाद संबंधित थानों में मामले दर्ज कर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिधवा बेट पुलिस ने दिलजोत सिंह उर्फ रवि पुत्र गुरमेल सिंह निवासी गांव काकत तिहाड़ा को बस स्टैंड से 9 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। दूसरे मामले में सदर जगरांव पुलिस ने एएसआई कुलदीप सिंह की पुलिस टीम ने हसनदीप सिंह उर्फ हसन पुत्र मंगलजीत सिंह निवासी गांव तख्तपुरा, मोगाश्र को गांव गालिब कलां के पास से काबू किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5.35 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

विश्वगुरु का दावा और जमीनी हकीकत: क्या मुरली मनोहर जोशी सही थे?

इस साल अप्रैल में, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के मुख्य विचारकों में से एक, मुरली मनोहर जोशी ने चुपचाप मोदी सरकार के पसंदीदा राजनीतिक नैरेटिव (कथा) में से एक पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भारत 'विश्वगुरु'—यानी दुनिया का शिक्षक—नहीं है। उसे ऐसा बनने की कोशिश करनी चाहिए। उस समय, इस टिप्पणी का कोई खास राजनीतिक असर नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से जोशी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और बीजेपी ने इस टिप्पणी को किसी राजनीतिक दखल के बजाय एक बुजुर्ग नेता की दार्शनिक सोच माना।

संदीप शर्मा, सम्पादक

हालांकि, मुश्किल से तीन महीने बाद ही, जोशी की बातें काफी हद तक सही साबित होती दिख रही हैं। कई घटनाओं ने ऐसे मुश्किल सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या भारत सचमुच 'विश्वगुरु' होने से जुड़ी नैतिक और संस्थागत साख का दावा कर सकता है। ठएएळ में कथित गड़बड़ियों से जुड़े विवाद ने एक बार फिर भारत के सबसे अहम सार्वजनिक संस्थानों में से एक की कमियों को उजागर किया है। राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े दान के प्रबंधन और पारदर्शिता पर उठे सवालों ने आलोचकों को नया मौका दिया है; उनका तर्क है कि आस्था से जुड़े संस्थानों पर कोई दाग नहीं होना चाहिए। इस बीच, बढ़ते अमेरिका-ईरान संघर्ष का आर्थिक असर ईंधन की बढ़ती कीमतों के जरिए भारतीय घरों तक पहुंचने लगा है, जो नागरिकों को याद दिलाता है कि भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत उसे भू-राजनीतिक झटकों से बचा नहीं पाई है। इनमें से कोई भी मुद्दा अकेले देश की पहचान तय नहीं करता। लेकिन ये सब मिलकर राजनीतिक संदेश और रोजमर्रा की सच्चाई के बीच के अंतर को उजागर करते हैं।

मोदी सरकार ने एक दशक से ज्यादा समय भारत को एक आत्मविश्वास से भरे सभ्यतागत देश के तौर पर पेश करने में बिताया है। G20 की अध्यक्षता और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर अंतरिक्ष मिशन और कूटनीतिक पहुंच तक, ऐसी कई वास्तविक उपलब्धियां हैं जिनकी तारीफ होनी चाहिए। आज भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान और प्रभाव एक दशक पहले की तुलना में कहीं ज्यादा है। फिर भी, 'विश्वगुरु' बनने के लिए कूटनीतिक सफलता या आर्थिक रैंकिंग से कहीं ज्यादा टिकाऊ चीजों की जरूरत होती है—हमारी GDP अभी भी भारत को भूटान जैसे देशों से भी नीचे रखती है। इसके लिए ऐसे संस्थानों की जरूरत है जिनकी साख पर कोई सवाल न हो, ऐसी गवर्नेंस जो भरोसा जगाए, और ऐसा समाज जो उन मूल्यों को अपनाए जिनका वह उपदेश देता है।

प्राचीन भारत को सम्मान इसलिए मिला क्योंकि उसने खुद को वैश्विक शिक्षक घोषित नहीं किया था, बल्कि इसलिए कि लोग स्वेच्छा से तक्षशिला और नालंदा में सीखने आते थे। उसका प्रभाव बौद्धिक उत्कृष्टता, बहस के लिए खुलापन और नैतिक साख पर टिका था। इसलिए, जोशी की बात भारत की क्षमता को नकारना नहीं था। यह इस बात की याद दिलाता है कि उम्मीदों या महत्वाकांक्षाओं को उपलब्धियां नहीं समझना चाहिए। अजीब बात यह है कि यह संदेश ऐसे व्यक्ति की ओर से आया है जिन्होंने आज की बीजेपी की वैचारिक नींव रखने में मदद की थी। अटल बिहारी वाजपेयी और एल.के. आडवाणी के साथ मिलकर, जोशी ने नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय स्तर पर आने से बहुत पहले ही पार्टी की बौद्धिक और राजनीतिक पहचान को आकार दिया था। उनकी बातों को आसानी से पक्षपाती आलोचना कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

इसमें कोई शक नहीं कि भारत में ग्लोबल लीडर बनने की क्षमता है—न केवल आर्थिक या सैन्य मामलों में, बल्कि लोकतांत्रिक मजबूती, वैज्ञानिक इनोवेशन और नैतिक शासन के उदाहरण के तौर पर भी। लेकिन हर संस्थागत विफलता, पारदर्शिता को लेकर हर विवाद और शासन में हर चूक इस सफर में देरी करती है।

पेज 12 90 घंटे तक की ड्यूटी, तनाव और थकान के बीच काम...

पंजाब कांग्रेस में हलचल की चर्चाएं, कई नाराज नेता कह सकते हैं अलविदा

लुधियाना/यूटर्न/2 जुलाई। पंजाब में कांग्रेस पार्टी में लगातार हलचल तेज होती जा रही है। बुधवार को की गई नई नियुक्तियों के बाद पार्टी में उठा पटक शुरू हो चुकी है। चर्चा है कि पार्टी के कई दिग्गज लीडर आने वाले 1-2 दिन में पार्टी को अलविदा कह सकते हैं। दरअसल, इसका सबसे अहम कारण सांसद राजा वड़िंग के पंजाब प्रधान बने रहना कहा जा रहा है। चर्चा है कि राजा वड़िंग को दोबारा प्रधान नियुक्त करने के चलते पार्टी का एक गुट हाईकमान से नाराज चल रहा है। पूर्व सीएम व मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ग्रुप में इसकी नाराजगी देखी जा सकती है। जिसके चलते चर्चा है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस में बड़ा फेरबदल हो सकता है। बता दें कि चन्नी खेमे में विधायक प्रगट सिंह, किक्की ढिल्लो, पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु समेत कई दिग्गज लीडर हैं, जो लगातार पार्टी से खफा चल रहे हैं। चर्चाएं हैं कि आने वाले दिनों में बड़ा राजनीतिक हेरफेर देखने को मिल सकता है।

२४ घंटे वॉर्ड में एक्टिव पार्षद भट्टी की भी मजबूत दावेदारी

वहीं वॉर्ड 26 से कांग्रेस पार्टी के पार्षद गौरव भट्टी की भी विधानसभा टिकट के लिए मजबूत दावेदारी मानी जाती है। दरअसल, गौरव भट्टी 24 घंटे अपने वॉर्ड में एक्टिव रहते हैं, जबकि तड़के छह बजे साइकिल पर लोगों की शिकायतें सुनते तो कभी देर रात को लाइटें ठीक कराते और पानी निकासी करवाते हुए उन्हें अक्सर देखा जाता है। युवा चेहरा, लगातार तीन बार पार्षद बनने और एक्टिव लीडर होने के चलते पार्टी उन पर दाव खेल सकती है। वहीं भट्टी खुद हल्का पूर्वी से विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं।

क्या युवा चेहरों को मिलेगा मौका

वहीं विधानसभा चुनाव 2027 जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे वैसे राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। चर्चा है कि लुधियाना में कई युवा चेहरे हैं, जिनका अच्छा जनाधार भी है। जिसमें ध्रुव अग्रवाल, योगेश हांडा, हैप्पी लाली जैसे युवा लीडर शामिल हैं। चर्चाएं हैं कि इन लीडरों द्वारा भी टिकट के लिए दावेदारी ठोकी जा सकती है। वहीं पार्टी को भी युवाओं को लेकर विचार करने की जरुरत है।

चन्नी को चेयरमैन बना संतुलन का प्रयास

चर्चा है कि पार्टी के एक खेमे के लीडर चाहते थे कि किसी नए चेहरे को पंजाब प्रधान नियुक्त किया जाए, ताकि पार्टी में सेवा करने वाले दूसरे नेताओं को भी मौका मिल सके। लेकिन यह नहीं हो सका। हालांकि एक गुट के वड़िंग को पंजाब प्रधान ही रहने देने के चलते हाईकमान ने पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को कैंपेन कमेटी का चेयरमैन नियुक्त करके संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया। लेकिन यह प्रयास विफिल साबित हो रहा है।

हिमाचल सीएम भी पहले चेयरमैन लगाए गए थे

चर्चा है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार है। मौजूदा सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को भी पहले चुनाव कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था। हालांकि चेयरमैन के बाद ही उन्हें सीएम बनाया गया। ऐसे में एक्सपर्ट की मानें तो सांसद चन्नी को भी चेयरमैन बने रहना चाहिए, शायद पार्टी हिमाचल वाला मॉडल पंजाब में भी अजमा सकती है।

दूसरे हल्कों से चुनाव लड़ सकते हैं कई लीडर

चर्चा है कि हल्का पूर्वी से विधायक रह चुके संजय तलवार हल्का सेंट्रल से चुनाव लग सकते हैं। हालांकि उन्होंने खुद ऐसी कोई पुष्टि नहीं की है। दूसरी तरफ पवन दीवान जैसे सीनियर लीडर भी पूरी तरह से हल्का वेस्ट में एक्टिव है। पवन दीवान जिला प्रधान रह चुके हैं और उनकी अच्छी लोकप्रियता है। ऐसे में उनकी दावेदारी को अनदेखा नहीं किया जा सकता। वहीं पूर्व विधायक सुरिंदर डावर अगर चुनाव नहीं लड़ते तो उनके बेटे मानिक डावर की भी मजबूत दावेदारी है। युवा चेहरा होने के चलते पार्टी मानिक पर दाव खेल सकती है। वहीं कारोबारी मुकेश जैन बिट्टू नवकार भी एक्टिव लीडर हैं। उनके द्वारा अलग अलग धार्मिक स्थलों पर अपने बोर्ड लगाए थे। किशोरी लाल और पूर्व मंत्री की फोटो के साथ लगाए यह बोर्ड काफी चर्चा में रहे थे।

अगस्त में पंजाब आएंगे पीएम मोदी

रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन, कई विकास योजनाओं की सौगात; भाजपा के लिए भी अहम माना जा रहा दौरा

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त में पंजाब दौरे पर आ सकते हैं। इस दौरान वह एक बड़े रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे और राज्य को कई नई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा प्रस्तावित है, हालांकि इसकी अंतिम तारीख अभी तय नहीं हुई है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान रेलवे के एक अहम प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही पंजाब में बुनियादी ढांचे और विकास से जुड़ी कई अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन या शिलान्यास होने की संभावना है। केंद्र सरकार का उद्देश्य राज्य में विकास कार्यों को नई गति देना है।

राजनीतिक नजरिए से भी अहम माना जा रहा दौरा

प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला पंजाब दौरा होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा इस दौरे के जरिए राज्य में अपने संगठन को मजबूत करने और 2027 विधानसभा चुनाव से पहले जनसंपर्क अभियान को गति देने की कोशिश करेगी।

पांच महीने पहले डेरा सचखंड बल्लां पहुंचे थे पीएम

इससे पहले 1 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां पहुंचे थे। उन्होंने यहां माथा टेककर संत निरंजन दास का आशीर्वाद लिया था। इसी दौरे में उन्होंने हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया था और आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट' करने की घोषणा भी की थी। अब प्रधानमंत्री के प्रस्तावित अगस्त दौरे को विकास परियोजनाओं के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है। सरकार की ओर से जल्द ही दौरे का विस्तृत कार्यक्रम जारी किए जाने की संभावना है।

डॉक्टर्स डे पर डॉक्टर्स ने किया रक्तदान

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 1 जुलाई। डॉक्टर्स डे के मौके पर मेडिकल बिरादरी के कमिटमेंट को दोहराते हुए, एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (ARD), PGIMER ने 1 जुलाई 2026 को ब्लड डोनेशन सेंटर, एडवांस्ड ट्रॉमा सेंटर (ATC), PGIMER में एक वॉलंटरी ब्लड डोनेशन कैंप लगाया। कैंप को रेजिडेंट डॉक्टरों, फैकल्टी मेंबर्स, नर्सिंग ऑफिसर्स, स्टूडेंट्स, हॉस्पिटल स्टाफ और आम लोगों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, और सभी इस नेक काम के सपोर्ट में अपनी मर्जी से ब्लड डोनेट करने के लिए आगे आए। इस पहल ने इमरजेंसी केयर, बड़ी सर्जरी, ट्रॉमा मैनेजमेंट और अलग-अलग जानलेवा मेडिकल कंडीशन के इलाज की जरूरत वाले मरीजों को सही और समय पर ब्लड सप्लाई पक्का करने में वॉलंटरी ब्लड डोनेशन के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर अपना आभार जताते हुए, डॉ. PGIMER के एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (ARD) के प्रेसिडेंट विष्णु ने कहा, 'डॉक्टर्स डे सिर्फ़ मेडिकल बिरादरी के डेडिकेशन का जश्न मनाने का मौका ही नहीं है, बल्कि क्लिनिकल केयर से आगे बढ़कर समाज की सेवा करने के हमारे कमिटमेंट को फिर से पक्का करने का भी मौका है। ब्लड डोनेशन एक आसान लेकिन असरदार काम है जो कई जानें बचा सकता है।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महानगर का गौरव : राज अरोड़ा

भगवान को लगेंगे 56 भोग, विशाल मंच से होगा भव्य स्वागत : एडवोकेट बांका

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महानगर का गौरव है और इसमें भाग लेना प्रत्येक जीव के लिए कृष्ण कृपा का परिणाम है । भगवान जगन्नाथ जी अनत दयालु व कृपालु है। उनकी सेवा जो भी जीव करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है । उपरोक्त शब्दों का प्रक्टावा मिडास क्रिएशंस के राज अरोड़ा ने इस्कॉन तथा भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के संयोजकत्व में 16 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय व विशाल स्तर पर आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का निमंत्रण स्वीकार करने के पश्चात कहे। श्री दुर्गा माता मंदिर जगराओं पुल से सांय 4 बजे से आरंभ होने वाली यात्रा के स्वागत की जानकारी देते हुए राज अरोड़ा ने बताया कि रथयात्रा का स्वागत 56 भोग, फूल माला एवं विशाल मंच लगाकर किया जाएगा। जिसमें भगवान जगन्नाथ जी को अनेकों तरह के व्यंजन प्रसाद के रूप में अर्पित किए जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा तथा महासचिव संजीव सूद बांका ने कहा कि राज अरोड़ा मिडास सदैव धार्मिक कार्यों के लिए अग्रणी रहे हैं। कमेटी के प्रधान सतीश गुप्ता तथा अनिल सलूजा ने कहा कि रथयात्रा को लेकर शहर की विभिन्न संस्थाओं व मंदिर कमेटियों में भारी उत्साह पाया जा रहा है। यात्रा मार्ग पर स्वागती मंच व भंडारा स्टाल लगाने के लिए इनमें होड लगी हुई है।

लुधियाना की जगन्नाथ रथयात्रा ऐतिहासिक एवं आलौकिक : सुखदर्शन जैन भोला

परम जगन्नाथ सेवक सुखदर्शन जैन भोला ने कहा कि जगन्नाथ जी का आशीर्वाद लेकर वो अपने आप को धन्य समझते हैं। क्योंकि कलियुग में भगवान जगन्नाथ मंदिर से बाहर आकर भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। लुधियाना की रथयात्रा ऐतिहासिक एवं आलौकिक है।

रथयात्रा मार्ग पर लगेंगे सैंकड़ों स्वागती मंच : संजीव गुप्ता स्टॉक एक्सचेंज

परम जगन्नाथ सेवक संजीव गुप्ता स्टॉक एक्सचेंज ने कहा कि जगन्नाथ रथयात्रा के मार्ग पर महानगर की विभिन्न संस्थाओं एवं श्रद्धालुओं की ओर से सैंकड़ों स्वागती मंच लगाए जाएंगे। जहां से महाआरती, छप्पन भोग, फूल वर्षा एवं वैष्णवजनों की सेवा की जाएगी। मंचों से हरिनाम संकीर्तन की अविरल रसधारा प्रवाहित होगी।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

जब मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम को ठगने से लोग नहीं हटे तो आम इन्सान का तो क्या हाल होगा इस कलयुग में।

जब भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में विराजमान श्रीराम के साथ भी ठगी और चोरी जैसी घटनाएँ होने लगें, तो यह हमारे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यह केवल धन की हानि नहीं, बल्कि हमारी नैतिकता और मानवीय मूल्यों के गिरते स्तर का प्रतीक भी है। यदि लोग आस्था के सबसे पवित्र स्थानों का भी सम्मान नहीं कर पा रहे, तो सोचिए आम इंसानों के साथ इस कलियुग में क्या-क्या हो रहा होगा।

यह घटना हमें आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित करती है कि कहीं हम ईमानदारी, करुणा और सत्य जैसे मूल्यों से दूर तो नहीं होते जा रहे। भगवान को किसी वस्तु या धन की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन मंदिर में होने वाली ऐसी घटनाएँ समाज के चरित्र पर प्रश्नचिह्न अवश्य लगाती हैं। यह दिखाती हैं कि लालच और स्वार्थ कई लोगों की सोच पर हावी हो चुके हैं।

ऐसे समय में केवल दोष देने से समाधान नहीं निकलेगा। हमें स्वयं से शुरूआत करनी होगी-सत्य का साथ देना होगा, ईमानदारी अपनानी होगी और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। यदि हर व्यक्ति अपने आचरण को सुधारने का संकल्प ले, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। कलियुग में भी अच्छाई जीवित रह सकती है, यदि हम अपने कर्मो से धर्म, सत्य और मानवता का मार्ग चुनें।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या तलाक के बाद भी पति-पत्नी एक-दूसरे के कानूनी वारिस (Legal Heir) रहते हैं?

तलाक के बाद कई लोगों के मन में यह प्रश्न होता है कि यदि पूर्व पति या पत्नी की मृत्यु हो जाए, तो क्या दूसरा पक्ष उसकी संपत्ति का कानूनी वारिस (Legal Heir) रहेगा?

सामान्यत: नहीं।

तलाक के बाद पति-पत्नी का वैवाहिक संबंध कानूनी रूप से समाप्त हो जाता है। इसके साथ ही, सामान्य परिस्थितियों में वे एक-दूसरे के कानूनी उत्तराधिकारी (Legal Heir) नहीं रहते।

यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु तलाक के बाद होती है, तो उसकी संपत्ति का बंटवारा संबंधित उत्तराधिकार कानूनों के अनुसार उसके कानूनी वारिसों—जैसे बच्चों, माता-पिता या अन्य पात्र उत्तराधिकारियों—के बीच होता है।

हालांकि, यदि किसी व्यक्ति ने अपनी इ'' (वसीयत) में पूर्व पति या पत्नी के नाम कोई संपत्ति छोड़ी है, तो स्थिति अलग हो सकती है। इसी प्रकार, कुछ वित्तीय लाभ या संविदात्मक (contractual) अधिकार उनके अपने नियमों के अनुसार तय होते हैं।

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि Legal Heir, Nominee और Beneficiary तीनों अलग-अलग कानूनी अवधारणाएं हैं। इन्हें एक-दूसरे के समान नहीं माना जा सकता।

कई लोग यह समझते हैं कि केवल कभी पति-पत्नी रहे होने के कारण जीवनभर संपत्ति पर अधिकार बना रहेगा, जबकि कानून ऐसा नहीं कहता।

निष्कर्ष: तलाक के बाद सामान्यत: पति-पत्नी एक-दूसरे के कानूनी वारिस नहीं रहते। उत्तराधिकार के अधिकार विवाह की कानूनी स्थिति और लागू उत्तराधिकार कानूनों के अनुसार तय होते हैं।

श्रद्धालुओं के चेहरों पर दिखी खुशी, तीर्थ यात्रा के लिए दो और बसें रवाना

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत धर्मगढ़ से 69वीं और रामगढ़ रुड़की से 70वीं बस को विधायक रंधावा ने दिखाई हरी झंडी

लालड़ू/यूटर्न/02 जुलाई। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत गुरुवार को डेराबस्सी हलके से श्रद्धालुओं के लिए दो और बसें रवाना की गई। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने गांव धर्मगढ़ से 69वीं और गांव रामगढ़ रुड़की से 70वीं बस को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न धार्मिक स्थलों के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर विधायक रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लोगों की धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए उन्हें प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने का अवसर दे रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से खासकर बुजुर्गों और आम परिवारों को बिना आर्थिक बोझ के धार्मिक यात्रा करने की सुविधा मिल रही है।

रंधावा ने कहा कि श्रद्धालुओं के चेहरों पर दिख रही खुशी इस योजना की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की।

इस मौके पर गांव धर्मगढ़ की सरपंच पूनम रानी, गुरसेवक सिंह, गुरमुख सिंह, पंचायत सदस्य और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डोप टेस्ट में नशे की पुष्टि, दो युवकों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। जीरकपुर पुलिस ने नशीले पदार्थों के सेवन के आरोप में दो युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों को बलटाना क्षेत्र में गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में हिरासत में लिया गया था। तलाशी में उनके पास से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ, लेकिन मेडिकल डोप टेस्ट में नशे की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार एएसआई ओंकार सिंह अपनी टीम के साथ बलटाना-कालका चौक क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि मनित कुमार (24), निवासी फेज-1 राम दरबार, चंडीगढ़ और सोमित (29), निवासी जयपुरिया सनराइज, वीआईपी रोड, जीरकपुर नशे के आदी हैं तथा अन्य लोगों को भी नशा करने के लिए प्रेरित करते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वेलवेट क्लार्क, बलटाना के पास दोनों युवकों को हिरासत में लिया। एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के बाद उनकी तलाशी ली गई, लेकिन उनके कब्जे से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ। हालांकि दोनों की हालत संदिग्ध होने पर पुलिस उन्हें सरकारी सिविल अस्पताल, डेराबस्सी ले गई, जहां डोप टेस्ट कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में मनित कुमार के सैंपल में मॉर्फीन और टीएचसी (THC) पॉजिटिव पाए गए। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ जीरकपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 27, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

भाजपा महिला मोर्चा ने ₹1000 व ₹1500 की योजना में भेदभाव को लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ किया रोष प्रदर्शन

दिनेश मौदगिल

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष शीनू चुग के नेतृत्व में घंटाघर चौक में पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार रोष प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर शीनू चुग ने कहा कि पंजाब सरकार ने महिलाओं से किए गए वादों के साथ भेदभाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा सामान्य वर्ग की महिलाओं को केवल ₹1,000 प्रति माह तथा अनुसूचित जाति (रउ) वर्ग की महिलाओं को ₹1,500 प्रति माह देने का फैसला किया गया है और लाभार्थियों के बैंक खातों में राशि ट्रांसफर करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ इस प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा पिछला 51 हजार भगवंत मान सरकार कब देगीं।यदि सरकार महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता योजना लागू करती है, तो सभी पात्र महिलाओं को समान राशि मिलनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महिलाओं के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग उठाई।इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष लीना टपारिया,राशि अग्रवाल,महामंत्री सीमा शर्मा,अंजली शर्मा,पार्षद रुचि गुलाटी,रीना जैन,नीरू,अरुणा,हेमा चोपड़ा,डाक्टर संतोष मीनू,नीतिका,रेणु राणा,सोनू इत्यादि मौजूद थी।

AI से बदलेगा पढ़ाने का अंदाज, डीएवी बीआरएस नगर में शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

लुधियाना/यूटर्न/02 जुलाई। डीएवी सेंटर फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली और रीजनल ट्रेनिंग सेंटर, लुधियाना के संयुक्त तत्वावधान में डीएवी पब्लिक स्कूल, बीआरएस नगर में 2 से 4 जुलाई तक तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (Capacity Building ProgrÔmme) का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पंजाब जोन-एफ के पांच डीएवी विद्यालयों से करीब 130 शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के पहले दिन प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए विषयवार प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (CT) के प्रभावी उपयोग से परिचित कराना था, ताकि वे विद्यार्थियों को अधिक रोचक और परिणामोन्मुख शिक्षा दे सकें।

सामाजिक विज्ञान के सत्रों में शिक्षकों को एआई और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग की सहायता से भूगोल को अनुभवात्मक एवं गतिविधि-आधारित तरीके से पढ़ाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही शैक्षिक भ्रमण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण को पाठ योजनाओं में शामिल करने तथा ₹औपनिवेशिक एवं शहरी परिवर्तन₹ अध्याय के माध्यम से कम्प्यूटेशनल थिंकिंग के प्रयोग का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कक्षा 9 और 10 की पाठ्यचर्या, दक्षता-आधारित प्रश्न (CBQs) तथा 'इतिहास में कारण और परिणाम' जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। भारत में राष्ट्रवाद और यूरोप में राष्ट्रवाद जैसे अध्यायों को नए शिक्षण दृष्टिकोण से समझाने के प्रभावी तरीके साझा किए गए। विद्यालय के प्राचार्य जे.के. सिद्धू ने कहा कि इस प्रशिक्षण से शिक्षकों को नई तकनीकों और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे कक्षाओं को अधिक सहभागितापूर्ण, दक्षता-आधारित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सकेगा, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।

विधवा की मदद करना पड़ा महंगा, महिला से मारपीट कर छीनी सोने की बाली

डेराबस्सी/यूटर्न/02 जुलाई। गांव जवाहरपुर में एक विधवा महिला के घर की छत की मरम्मत को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विधवा का साथ देने पहुंची पड़ोसी महिला के साथ मारपीट की गई और उसकी सोने की बाली भी छीन ली गई। पीड़िता ने पुलिस और प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता सुमनजीत कौर, पत्नी मनजीत सिंह ने बताया कि

उनके पड़ोस में रहने वाली बुजुर्ग विधवा सोना देवी के पति और दोनों बच्चों का पहले ही निधन हो चुका है। वह अपनी बेटी के साथ रह रही थी और हाल ही में अपने पुराने मकान की टूटी छत की मरम्मत कराने गांव आई थी। आरोप है कि जैसे ही सोना देवी ने अपने दामाद के माध्यम से छत का काम शुरू करवाने की कोशिश की, उसके जेठ के बेटे लकी मेहरा ने इसका विरोध करते हुए काम रुकवाने और धमकियां देना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार, जब सोना देवी मदद के लिए गांव के पंच जसवीर सिंह के पास पहुंची तो मदद मिलने के बजाय उसे धमकाया गया। इसके बाद रोती हुई सोना देवी सुमनजीत कौर के घर पहुंची। सुमनजीत कौर ने अपने बेटे को गांव के कुछ लोगों के साथ समझौते के लिए भेजा, लेकिन वहां विवाद और बढ़ गया। सुमनजीत कौर का आरोप है कि जब वह मौके पर पहुंची तो जसवीर सिंह की पत्नी सीमी रानी, बेटे रोहित, सुरिंदर कौर, लकी मेहरा और अजय कुमार ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके बाल खींचे गए, सिर पर वार किया गया और हाथापाई के दौरान उसकी सोने की बाली भी छीन ली गई।

प्रेमिका की हत्या के बाद खुद भी सुसाइड किया, साथी ने पुलिसकर्मी बताकर दिलाया होटल में रूम

लुधियाना/यूटर्न/2 जुलाई। खन्ना स्थित ग्रीनलैंड होटल में प्रेमी जोड़े के शव मिलने के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों के साथ एक तीसरा व्यक्ति भी होटल आया था,

जिसने खुद को पुलिसकर्मी बताकर अपनी गारंटी पर कमरा दिलवाया। घटना से पहले की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जिसमें महिला उसका प्रेमी और साथी नजर आ रहा है। इस फुटेज के बाद पुलिस अब उस व्यक्ति की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार बुधवार को होटल के कमरे में प्रेमी ने प्रेमिकी को गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद भी सुसाइड कर लिया था। दोनों के सिर में गोली लगी थी। पुलिस को मौके से मौके से एक पिस्टल मिली है। बुधवार तड़के ही वह होटल में पहुंचे थे। इनकी पहचान मनजीत सिंह मक्खू (फिरोजपुर) और उसकी प्रेमिका हरप्रीत कौर निवासी तरनतारन के रूप में हुई है। दोनों शादीशुदा थे।

हरियाणा नंबर की टैक्सी से होटल में पहुंचे

1 जुलाई तड़के करीब 3 बजे मनजीत सिंह और उसकी प्रेमिका हरप्रीत कौर हरियाणा नंबर की टैक्सी से ग्रीनलैंड होटल पहुंचे। उनके साथ तीसरे व्यक्ति ने खुद को मुलाजिम बताया और जिम्मेदारी पर कमरा दिलाया। उसके भरोसे पर होटल कर्मचारियों ने न तो दोनों के पहचान पत्र लिए और न ही रजिस्टर में उनकी कोई एंट्री की। करीब नौ घंटे तक कमरे से कोई हलचल नहीं हुई। दोनों ने न रिसेप्शन पर कोई कॉल की, न नाश्ता मंगवाया और न ही किसी अन्य सेवा की मांग की। लंबे समय तक कोई गतिविधि न होने पर होटल कर्मचारियों को शक हुआ। कई बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद दरवाजा तोड़ा गया।

कार सवार युवक पर जानलेवा हमला, शीशे तोड़कर की मारपीट; 5 नामजद

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न2/जुलाई। शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शेरपुर चौक के पास कार में सवार एक युवक पर कुछ लोगों ने न केवल बेरहमी से हमला किया, बल्कि उनकी गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला ?...पुलिस को दी शिकायत में राजवीर सिंह (19 वर्ष) निवासी कोठे शेरजंग, जगरांव ने बताया कि घटना 28 जून की रात की है। पीड़ित अपने मालिक गुरिंदरपाल सिंह उर्फ हनी के साथ उनकी कार में जा रहा था। जब वे शेरपुर चौक के पास पहुंचे, तो वहां कोमल सिंह, कुलदीप सिंह उर्फ गोलू, गुरचरण सिंह उर्फ जग्गा, अमृतपाल सिंह उर्फ अंबा और राजविंदर सिंह उर्फ विक्की खड़े थे।

हॉर्न बजाने पर भड़के आरोपी: पीड़ित के अनुसार, जब उनके मालिक ने गाड़ी का हॉर्न बजाकर रास्ता मांगा, तो आरोपी भड़क गए। उन्होंने रास्ता देने के बजाय कार के पास आकर बहस शुरू कर दी और देखते ही देखते पीड़ित के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने सड़क किनारे पड़े ईंट-पत्थरों से हमला कर कार का पिछला शीशा तोड़ दिया। इतना ही नहीं, जाते-जाते उन्होंने पीड़ित को जान से मारने की धमकियां भी दीं।

पुलिस ने दर्ज किया केस: हमले में राजवीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसे तुरंत सिविल अस्पताल, जगरांव ले जाया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सिविल अस्पताल, लुधियाना रेफर कर दिया गया। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन वे विफल रहे, जिसके बाद थाना सिटी जगरांव में मुकदमा मामला दर्ज कर लिया गया है।

जन मिलनी में विधायक रंधावा ने सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'पंजाब का एक ही नारा—भगवंत मान दोबारा' अभियान के तहत डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने गुरुवार को जीरकपुर के वार्ड नंबर 15 और 17 में जन मिलनी कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दे विधायक के समक्ष रखे, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

वार्ड नंबर 15 में नवनिर्वाचित पार्षद सुनील कुमार चौधरी तथा वार्ड नंबर 17 में पार्षद जसविंदर सिंह की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ने लोगों से सीधे संवाद करते हुए विकास कार्यों पर सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

विधायक रंधावा ने कहा कि जीरकपुर के सभी वार्डों में सड़क, सीवरेज, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास सरकार की प्राथमिकता है और शहर को बेहतर नागरिक सुविधाओं से लैस बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नगर परिषद चुनाव में आम आदमी पार्टी को मिले समर्थन के लिए लोगों का आभार जताते हुए कहा कि जनता ने विकास और जनसेवा की राजनीति पर भरोसा जताया है। इस विश्वास पर खरा उतरने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विरक, विभिन्न वार्डों के पार्षद, पार्टी पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीटी यूनिवर्सिटी विवाद : धार्मिक मर्यादा भंग होने पर मैनेजमेंट ने मांगी माफी, भविष्य के लिए जारी की गाइडलाइंस

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/2/जुलाई। हाल ही में सीटी यूनिवर्सिटी, लुधियाना में गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के बाद हुई एक घटना ने तूल पकड़ लिया था। कार्यक्रम स्थल पर कुछ छात्रों द्वारा धार्मिक प्रतीकों के सामने किए गए डांस की वीडियो वायरल होने के बाद विभिन्न सिख जत्थेबंदियों और संगत में भारी रोष फैल गया था। इस मामले में अब यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट ने लिखित माफी मांगते हुए भविष्य के लिए ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया है।

मैनेजमेंट ने माना- छात्रों से हुई चूक: यूनिवर्सिटी प्रशासन विकास ने डीएसपी कार्यालय, जगरांव में पेश होकर अपना स्पष्टीकरण दिया। मैनेजमेंट ने स्पष्ट किया कि मुख्य कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब अधिकारी अपने दफ्तरों में चले गए थे, तब कुछ छात्रों द्वारा अनजाने में यह गलती हुई है। यूनिवर्सिटी ने स्वीकार किया कि यह घटना संस्थान की नीतियों या किसी आधिकारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थी और इससे संगत की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिसके लिए वे खेद व्यक्त करते हैं।

भविष्य के लिए यूनिवर्सिटी का एक्शन प्लान: विवाद को शांत करते हुए सीटी यूनिवर्सिटी ने एक लिखित माफीनामा जारी किया है, जिसमें भविष्य के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं।

सख्त गाइडलाइंस: भविष्य में किसी भी धार्मिक, सामाजिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ऐसी अवांछनीय घटना न हो, इसके लिए सख्त दिशा-निर्देश लागू किए जाएंगे।

निगरानी प्रणाली: आयोजनों के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष तैनाती और निगरानी प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए जाएंगे।

जागरूकता अभियान: विद्यार्थियों को धार्मिक मर्यादा, सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

सर्वोच्च प्राथमिकता: यूनिवर्सिटी ने भरोसा दिलाया है कि सामाजिक सद्भाव और महापुरुषों के सम्मान को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

संगत से माफीनामा स्वीकार करने की अपील: श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी के जसप्रीत सिंह और उनके साथ पहुंचे जसवीर सिंह कमाली ने बताया कि यूनिवर्सिटी के लिखित माफीनामे के बाद उन्होंने अपनी शिकायत पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने संगत से अपील की है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा दिखाए गए बड़ेपन को देखते हुए इस माफीनामे को स्वीकार कर लिया है और आगे से यह संवेदनशील मामलों के बारे में खास ध्यान रखना को कहा गया है।

नशे की हालत में मिला युवक, डोप टेस्ट पॉजिटिव आने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। ढकोली थाना पुलिस ने नशीले पदार्थ का सेवन करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

आरोपी की मेडिकल जांच में नशे की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 1 जुलाई 2026 को एएसआई भूपिंदर सिंह अपनी टीम के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान ढकोली रेलवे गेट के पास सड़क किनारे एक युवक संदिग्ध अवस्था में बैठा मिला। पूछताछ में उसने अपनी पहचान विशाल कुमार पुत्र हरि सिंह, निवासी सेक्टर-20सी, चंडीगढ़ के रूप में बताई।

पुलिस का कहना है कि युवक नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था और उसने पूछताछ के दौरान नशा करने की बात भी स्वीकार की। नियमानुसार उसकी तलाशी ली गई, हालांकि उसके पास से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस उसे सिविल अस्पताल डेराबस्सी ले गई, जहां डोप टेस्ट कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में बेंजोयलेक्गोनिन (Benzoylecgonine) और मॉर्फिन (Morphine) की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जिसके आधार पर युवक के नशीले पदार्थ के सेवन की पुष्टि हुई।

डेराबस्सी में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, रोजाना 20 से 30 चालान

डेराबस्सी/यूटर्न/02 जुलाई। डेराबस्सी ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। ट्रैफिक इंचार्ज सुरिंदर सिंह के नेतृत्व में रोजाना शहर के विभिन्न स्थानों पर नाकेबंदी कर नियम तोड़ने वालों के चालान किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, दोपहिया वाहनों पर तीन-तीन और चार-चार सवारियां बैठाकर चलने वालों तथा अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ की जा रही है।

इसके अलावा शहर में ब्लैक फिल्म लगी एक क्रेटा कार पर भी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर ही ब्लैक फिल्म उतरवाई और चालान काटा। ट्रैफिक इंचार्ज सुरिंदर सिंह ने कहा कि 'ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। चाहे कोई भी हो, कानून सभी के लिए समान है। हमारा उद्देश्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।'

उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्रतिदिन औसतन 20 से 30 चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं, दोपहिया वाहन पर निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाएं तथा सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करें, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।/यूटर्न/23 मई।

भबात में अपराध रोकने को अब पुलिस की स्थायी मौजूदगी

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। गांव भबात में लगातार बढ़ रही आबादी और चोरी की घटनाओं ने पुलिस प्रशासन को सतर्क कर दिया है। ग्रामीणों की मांग के बाद अरढ जीरकपुर गजलप्रीत कौर ने गांव में पुलिस बीट बॉक्स खोलने की मंजूरी दे दी है। बीट बॉक्स खुलने के बाद गांव भबात सहित आसपास की दर्जनों कॉलोनियों में पुलिस निगरानी मजबूत होगी। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि गांव के स्टेडियम में शाम के समय भारी भीड़ रहती है। कई बार संदिग्ध युवक-युवतियों की आवाजाही भी देखी जाती है, जिससे लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। स्टेडियम के बाहर से दोपहिया वाहन चोरी की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा क्षेत्र में जाम की समस्या भी बनी रहती है।

ASP गजलप्रीत कौर ने कहा कि लोगों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। चोरी और अन्य शिकायतों को देखते हुए भबात में बीट बॉक्स खोलने का फैसला लिया गया है। यह बीट बॉक्स ढठइ बैंक के पास सरकारी जगह पर बनाया जाएगा, जिसके लिए गांववासियों ने लिखित सहमति दे दी है। बीट बॉक्स में एक थानेदार और पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे, जो क्षेत्र की निगरानी, गश्त और शिकायतों के समाधान की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी से अपराधियों में डर पैदा होगा और लोगों को राहत मिलेगी। इस मौके पर पार्षद मनी, आप वार्ड इंचार्ज प्रताप विर्क, वार्ड इंचार्ज 29 अमरीक सिंह, इंद्रजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, विक्की भबात सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

नामीबिया के उच्चायुक्त ने डेराबस्सी के कैनाइन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का किया दौरा

नारकोटिक्स, विस्फोटक और एंटी-पोचिंग कार्यों के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की खरीद की संभावनाएं तलाशी

डेराबस्सी/यूटर्न/02 जुलाई। नामीबिया के उच्चायुक्त विंग कमांडर सेवानिवृत्त एलेक्स एल. टुकुपवेले ने प्रथम सचिव टैंगेनी एच. मुलुंगा के साथ पंजाब होम गार्ड्स कैनाइन ट्रेनिंग एंड ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, सुंडरां डेराबस्सी का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य नामीबिया सरकार के लिए प्रशिक्षित कैनाइन यूनिटों की खरीद और प्रशिक्षण संबंधी संभावनाओं का आकलन करना था।

संस्थान के प्रबंधक न्यूटन सिद्धू ने बताया कि यहां अब तक 418 से अधिक कुत्तों और उनके हैंडलरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो देशभर के विभिन्न अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस बलों में सेवाएं दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि नामीबिया सरकार प्रारंभिक चरण में चार प्रशिक्षित कुत्ते और आठ हैंडलर लेने की योजना बना रही है। भविष्य में अन्य कैनाइन यूनिटों और हैंडलरों को भी इसी संस्थान में प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

सिद्धू ने कहा कि इस परियोजना से पंजाब सरकार को करीब 20 लाख अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिलने की संभावना है। साथ ही स्थानीय पंजाबी युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के सात अन्य देश भी प्रशिक्षण के लिए संस्थान के संपर्क में हैं।

गड्ढों में गुम हुई सुंडरा-हरिपुर सड़क, रोजाना जोखिम में सफर

स्कूली बच्चों, किसानों और बुजुर्गों के लिए मुसीबत बना बदहाल मार्ग

डेराबस्सी/यूटर्न/02 जुलाई। गांव सुंडरा को हरिपुर से जोड़ने वाली मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाली की मार झेल रही है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, उखड़ी बजरी और कीचड़ के कारण ग्रामीणों का रोजाना आवागमन मुश्किल हो गया है। बरसात के दिनों में यह मार्ग तालाब जैसा रूप ले लेता है, जिससे पैदल चलना भी जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क से स्कूली बच्चे, नौकरीपेशा लोग, किसान, बुजुर्ग और पंजाब होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारी व प्रशिक्षु रोजाना गुजरते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का डर बना रहता है, जबकि किसानों को फसल व कृषि सामान लाने-ले जाने में परेशानी होती है। लोगों ने सरकार और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

'सुंडरा-हरिपुर सड़क का टेंडर पास हो चुका है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से बातचीत हुई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।'
— परमजीत कौर, सरपंच, गांव सुंडरा

जीरकपुर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर शिकंजा, 18 किलो सामान जब्त

जीरकपुर/यूटर्न/02 जुलाई। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत बुधवार को जीरकपुर में संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर परिषद जीरकपुर की टीम ने शहर के बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जांच की। कार्रवाई के दौरान टीम ने दुकानों पर प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल और बिक्री की जांच की। कई स्थानों पर दुकानदारों को नियमों की

जानकारी भी दी गई और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संयुक्त टीम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साइंटिस्ट-बी आकाश मिश्रा, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एसडीओ अतुल शर्मा और नगर परिषद जीरकपुर के सैनिटरी इंस्पेक्टर मनोज कुमार शामिल रहे। जांच के दौरान करीब 18 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दुकानदारों पर करीब 25 हजार रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा भी लगाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है और इसके इस्तेमाल को रोकने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से अपील की कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें और जीरकपुर को स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग दें।

डेराबस्सी के गांवों में योगशाला से जुड़ रहे लोग

डेराबस्सी/यूटर्न/02 जुलाई। पंजाब सरकार की 'सीएम दी योगशाला' पहल के तहत डेराबस्सी क्षेत्र के गांवों में लोग योग अभ्यास से जुड़ रहे हैं। एसडीएम अमित गुप्ता ने बताया कि 'रंगला पंजाब-स्वस्थ पंजाब' मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि योग ट्रेनर सेजलप्रीत कौर द्वारा डेराबस्सी के अलग-अलग गांवों में रोजाना छह निशुल्क योग कक्षाएं लगाई जा रही हैं। इनमें हमायूंपुर, धीरेमाजरा, रामगढ़, रामगढ़ रुड़की और राणीमाजरा गांव शामिल हैं। इन कक्षाओं में ग्रामीण बिना किसी फीस के योग अभ्यास सीख रहे हैं। एसडीएम ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना है। योग ट्रेनर सेजलप्रीत कौर ने लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। नई जगह योग कक्षा शुरू करवाने के लिए 25 लोगों का समूह फोन नंबर 76694-00500 पर संपर्क कर सकता है। इसके अलावा जानकारी के लिए cmdiyogshala.punjab.gov.in पर भी संपर्क किया जा सकता है।

डॉ. अमन शर्मा ने संभाला सिविल अस्पताल जगरांव के एसएमओ का पद; बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दिया भरोसा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/2/जुलाई। स्वास्थ्य विभाग, पंजाब के निदेर्शों के तहत डॉ. अमन शर्मा ने सिविल अस्पताल जगरांव में सीनियर मेडिकल ऑफिसर (एस.एम.ओ.) के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। अपनी प्रशासनिक कुशलता और जनसेवा के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. शर्मा की नियुक्ति को स्थानीय स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

समर्पण और सेवा का लंबा अनुभव: डॉ. अमन शर्मा का अब तक का करियर अत्यंत प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 13 वर्षों तक पुलिस जिला लुधियाना देहात में मेडिकल ऑफिसर के रूप में अनुकरणीय सेवाएं दीं। कोरोना महामारी के कठिन दौर में फ्रंटलाइन वॉरियर के रूप में दी गई उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए उन्हें 'स्टेट पुलिस मेडल' (डीजीपी डिस्क अवार्ड) से सम्मानित किया गया था। सितंबर 2025 में पदोन्नति के बाद, उन्होंने सिविल अस्पताल हथूर में एस.एम.ओ. के रूप में कार्य करते हुए 55 गांवों और 45 डिस्पेंसरी के स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ किया।

प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धता : पदभार ग्रहण करते हुए डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता सरकारी अस्पतालों में आम जनमानस का भरोसा मजबूत करना है। उन्होंने कहा, ₹मरीजों को समय पर इलाज, दवाइयां और पारदर्शी आपातकालीन सेवाएं प्रदान करना मेरी पहली जिम्मेदारी है। अस्पताल में आने वाले हर मरीज के साथ मानवीय संवेदना और सम्मान के साथ व्यवहार करना ही हमारी टीम का मुख्य ध्येय होगा। स्थानीय लोगों और अस्पताल के स्टाफ ने डॉ. शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपनी ईमानदार कार्यशैली और जन-केंद्रित सोच के साथ, डॉ. अमन शर्मा से अब जगराओं के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रबल उम्मीदें हैं।

मनीमाजरा की इंदिरा कॉलोनी में फिर गंदे पानी और कम प्रेशर से लोगों में रोष, 247 स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर उठे सवाल

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। मनीमाजरा (सेक्टर-13) की इंदिरा कॉलोनी सहित आसपास के कई क्षेत्रों में एक बार फिर गंदे पानी की आपूर्ति और कम प्रेशर की समस्या से लोग परेशान हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 247 पेयजल आपूर्ति के पायलट प्रोजेक्ट और नई पाइपलाइनें बिछाए जाने के बावजूद उन्हें स्वच्छ और पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। उनका कहना है कि पानी की गुणवत्ता इतनी खराब है कि वह पीने के साथ-साथ घरेलू उपयोग के लिए भी उपयुक्त नहीं है।

मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय और चेयरमैन सुभाष धीमान ने बताया कि उन्हें लगातार स्थानीय लोगों से गंदे पानी और कम प्रेशर की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि करोड़ों रुपये खर्च कर 247 जलापूर्ति परियोजना लागू करने और नई पाइपलाइनें बिछाने के बावजूद यदि लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा, तो इस परियोजना का उद्देश्य कैसे पूरा हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई परिवारों के अनुसार पानी में गंदगी और अवांछित कण दिखाई दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस पानी से कपड़े धोने पर सफेद कपड़ों में पीलापन आ जाता है, जबकि अन्य कपड़ों पर भी गंदगी के निशान रह जाते हैं। वहीं, बर्तन धोने के बाद भी उनके पूरी तरह साफ होने को लेकर लोगों में संदेह बना रहता है। उनका कहना है कि यह केवल असुविधा का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी के रेलवे फाटक की ओर पानी का प्रेशर बेहद कम है। पर्याप्त पानी न मिलने के कारण लोगों को मोटर चलाकर पानी भरना पड़ रहा है, जिससे उन पर बिजली का अतिरिक्त खर्च भी पड़ रहा है। कई घरों की ऊपरी मंजिलों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा, जिससे रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इंदिरा कॉलोनी के प्रधान श्याम सुंदर, स्थानीय निवासी सहजाद तथा बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। उनका कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। उन्होंने प्रशासन से पानी की गुणवत्ता की तत्काल जांच कराने और प्रभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की।

चंडीगढ़ कांग्रेस भवन में अल्पसंख्यक विभाग की बैठक, संगठन विस्तार और चुनावी तैयारियों पर चर्चा

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। चंडीगढ़ कांग्रेस भवन में गुरुवार को चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के चंडीगढ़ प्रभारी (अल्पसंख्यक विभाग) सलीम भाटी, चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की तथा चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष आसिफ चौधरी ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में अल्पसंख्यक समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए नेताओं ने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने का आह्वान किया। साथ ही संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने के लिए नए कार्यकताओं को जोड़ने पर भी जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक मजबूती और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा के साथ जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को प्रचारित करने की अपील की। बैठक में संगठन की एकजुटता को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को गति देने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-32 अस्पताल जाने वाली स्लिप रोड बनी हादसों का कारण, बारिश के बाद कीचड़ और गड्ढों से बढ़ी परेशानी

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। सेक्टर-32 चौक से सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच-32) की ओर जाने वाली स्लिप रोड की बदहाल स्थिति मरीजों, उनके परिजनों, अस्पताल कर्मचारियों और आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। हाल ही में हुई बारिश के बाद सड़क पर कीचड़ और गहरे गड्ढे बन जाने से यहां दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले इस सड़क पर पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की गई थी। हालांकि, कार्य पूरा होने के बाद सड़क की समुचित मरम्मत नहीं की गई। बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया और पूरी स्लिप रोड कीचड़ में तब्दील हो गई, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की खराब हालत के कारण कई दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर चुके हैं। यह मार्ग प्रतिदिन हजारों मरीजों, उनके तीमारदारों, एंबुलेंस और अस्पताल स्टाफ द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सड़क की जर्जर स्थिति किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। समाजसेवी अरविंद सिंह ने चंडीगढ़ प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जनहित को देखते हुए इस स्लिप रोड की तत्काल मरम्मत कराई जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान तक पहुंचने वाले मार्ग का सुरक्षित और सुगम होना बेहद जरूरी है। यदि जल्द सुधार कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में गंभीर दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

डॉक्टर दिवस पर भाजपा मेडिकल सेल का निःशुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर, 55 मरीजों की हुई जांच

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मेडिकल सेल, चंडीगढ़ द्वारा समाज सेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सेक्टर-21 स्थित ग्लोबल हेल्थ क्लिनिक में निःशुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश संयोजक ललित तकियार एवं मेडिकल सेल प्रभारी डॉ. संजीव भाटिया के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में 55 मरीजों का सफलतापूर्वक फाइब्रोस्कैन किया गया तथा उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि चिकित्सक केवल एक पेशे से जुड़े व्यक्ति नहीं, बल्कि मानवता की सेवा के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। डॉक्टर अपने ज्ञान, समर्पण और सेवा भाव से अनगिनत लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं, इसलिए उनका योगदान सदैव सम्मान और प्रेरणा का विषय रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने डॉ. गुरांचल, डॉ. मनोज एवं डॉ. संजीव भाटिया को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज सेवा के लिए सम्मानित किया। वहीं भाजपा मेडिकल सेल की सह-संयोजक डॉ. मीना चड्ढा ने भी प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का सफल समन्वय सुमीत भंडारी ने किया, जबकि पूरे आयोजन का नेतृत्व भाजपा मेडिकल सेल, चंडीगढ़ के प्रदेश संयोजक ललित तकियार ने किया।

वार्ड-18 की जनसमस्याओं को लेकर मेयर से मिले भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेश अरोड़ा, जल्द समाधान का दिया आश्वासन

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी, चंडीगढ़ के प्रदेश प्रवक्ता नरेश अरोड़ा ने गुरुवार को चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी से मुलाकात कर वार्ड-18 के सेक्टर-20 और सेक्टर-30 से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं को उनके समक्ष उठाया। इस दौरान क्षेत्र में लंबे समय से लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

बैठक में सेक्टर-30 में पेयजल आपूर्ति की समस्या, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और नगर निगम से संबंधित अन्य मुद्दों के अलावा सेक्टर-20 की विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। नरेश अरोड़ा ने कहा कि इन समस्याओं के कारण स्थानीय लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इनका जल्द समाधान आवश्यक है। मेयर सौरभ जोशी ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने और जनहित से जुड़े मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नरेश अरोड़ा ने कहा कि भाजपा हमेशा जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से उठाती रही है।

राजपुरा फायरिंग के दो शूटर मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक जख्मी, गोल्डी ढिल्लों गैंग से जुड़े हैं तार

पंजाब/यूटर्न/2 जुलाई। पटियाला पुलिस को राजपुरा स्थित लक्ष्मी प्रॉपर्टी कार्यालय पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ (एनकाउंटर) के बाद वारदात को अंजाम देने वाले दो कथित शूटरों को धर दबोचा है।

क्रॉस-फायरिंग के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस ने घायल

बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके साथ ही पुलिस दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का

दावा है कि इस गैंग के मुख्य सरगनाओं और इस नेटवर्क के पीछे छिपे सफेदपोश चेहरों का जल्द ही पदार्फाश कर दिया जाएगा।

बीड़ के जंगलों के पास हुई मुठभेड़

पुलिस के अनुसार सीआईए स्टाफ पटियाला व सीआईए स्टाफ समाना की संयुक्त टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में इस गुप्त ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पटियाला-संगरूर बाईपास स्थित जंगली बीड़ के पास घेरा, जहाँ आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। गिरफ्तार किए गए शूटरों की पहचान परमजीत सिंह उर्फ पम्मा और जसकरण सिंह के रूप में हुई है। यह दोनों मूल रूप से जिला कपूरथला के गांव हमीरा के रहने वाले हैं।

500 ग्राम अफीम समेत युवक गिरफ्तार

- हंडेसरा पुलिस ने नाके पर पकड़ी अफीम, यूपी का युवक काबू
- पुलिस को देख फेंका लिफाफा, निकली 500 ग्राम अफीम

लालड़ू/यूटर्न/02 जुलाई। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हंडेसरा पुलिस ने एक युवक को 500 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला बदायूं के गांव पप्पगांव निवासी आकाश पुत्र राम गुलाम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार एएसआई हरगोबिंद सिंह की अगुवाई में टीम गांव हंडेसरा के पास नगला मोड़ पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान अंबाला कैंट की ओर से पैदल आ रहा युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और उसने पैंट की जेब से प्लास्टिक का लिफाफा निकालकर सड़क किनारे फेंक दिया। शक होने पर पुलिस ने युवक को काबू कर लिफाफे की तलाशी ली तो उसमें से 500 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम कहां से लाई गई थी और आगे किसे सप्लाई की जानी थी।

हाईकोर्ट में डीए पर फैसला फिर टला, आज होगी सुनवाई, पंजाब के कर्मियों को मिल रहा 42% महंगाई भत्ता

पंजाब/यूटर्न/2 जुलाई। पंजाब के करीब 8 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए आज होने वाली सुनवाई नहीं हुई। लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ता (डीए) और पे-कमिशन एरियर के मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की डबल बेंच में सुनवाई होनी थी। इस सुनवाई पर प्रदेश के लाखों कर्मचारियों की नजरें टिकी थी। बुधवार को हाईकोर्ट की छुट्टियों के बाद पहले दिन भी मामला सूचीबद्ध था, लेकिन देर शाम सुनवाई होने के कारण सरकार की ओर से ही पक्ष रखा जा सका।

30 जून तक भुगतान का दिया था आदेश

हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने 8 अप्रैल को पंजाब सरकार को 30 जून तक लंबित डीए का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इस आदेश को सरकार ने डबल बेंच में चुनौती दी। डबल बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक नहीं लगाई, लेकिन सरकार से सीलबंद लिफाफे में भुगतान की योजना मांगी थी। अब गुरुवार की सुनवाई में अदालत यह देखेगी कि सरकार ने बकाया डीए के भुगतान के लिए क्या रोडमैप तैयार किया है। सरकार किस्तों में भुगतान का प्रस्ताव रखती है या वित्तीय स्थिति का हवाला देकर और समय मांगती है, इस पर फैसला निर्भर करेगा।

जगरांव में 'सवारी का संग्राम': बस और ऑटो संचालकों में हिंसक झड़प

एक-दूसरे पर लगाए मारपीट व जातिसूचक शब्दों के आरोप

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/2/जुलाई। जगरांव इलाके में सवारी उठाने को लेकर बस और ऑटो संचालकों के बीच चल रहा विवाद अब हिंसक रूप ले चुका है। बीती कल दोनों गुटों के बीच जमकर हंगामा हुआ और मारपीट की नौबत आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अब जांच शुरू कर दी है।

क्या है बस संचालकों का पक्ष?: बस संचालकों का आरोप है कि ऑटो चालक नियमों को ताक पर रखकर शहर की सीमा से बाहर कई किलोमीटर दूर तक सवारियां ढो रहे हैं। बस मालिक सुरिंदर सिंह ने बताया कि जब वे इसका विरोध करते हैं, तो ऑटो चालक झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। बस संचालकों ने आरोप

लगाया कि उन पर हथियार लहराकर डराने-धमकाने का प्रयास किया गया और उनके साथ मारपीट भी की गई। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की, तो वे अपनी बसें बंद कर चाबियां एसएसपी को सौंपने के लिए मजबूर होंगे।

ऑटो चालक ने लगाए गंभीर आरोप: दूसरी ओर, पीड़ित ऑटो चालक सुखजीत सिंह (निवासी गांव बोदलवाला) ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में आरोप लगाया कि 1 जुलाई को कुछ लोगों ने खुद को 'बस मालिक' बताकर उसका रास्ता रोका। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बस संचालकों ने उसके ई-रिक्शा के टायर फाड़ दिए, उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर उसे अपमानित किया।

पुलिस का रुख: इस पूरे विवाद पर जब संबंधित पुलिस अधिकारी से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

करीना कपूर की ब्लैक ग्लैम ड्रेस ने लूटी महफिल

अभिनेत्री करीना कपूर एक बार फिर अपने फैशन स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका ब्लैक ग्लैमरस आउटफिट सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। स्टाइलिश ड्रेस, एलिगेंट लुक और कॉन्फिडेंट अंदाज ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनकी फैशन चॉइस की जमकर तारीफ हो रही है। कई यूजर्स ने उन्हें ‘बॉलीवुड की स्टाइल क्वीन’ बताया, जबकि फैशन एक्सपर्ट्स भी उनके क्लासी लुक की सराहना कर रहे हैं। उनका यह लेटेस्ट लुक एक बार फिर इंटरनेट पर वायरल हो गया है।

90 घंटे तक की ड्यूटी, तनाव और थकान के बीच काम कर रहे पीजीआई के रेजिडेंट डॉक्टर, सर्वे ने खोली व्यवस्था की पोल

462 डॉक्टरों के सर्वे में चौंकाने वाले खुलासे; अधिकांश डॉक्टर तय सीमा से अधिक घंटे कर रहे ड्यूटी

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में शामिल पीजीआई चंडीगढ़ के रेजिडेंट डॉक्टरों की कार्य परिस्थितियों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। लंबे कार्य घंटे, लगातार मानसिक दबाव और पर्याप्त आराम न मिलने से डॉक्टरों में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में 462 रेजिडेंट डॉक्टरों पर किए गए सर्वे में सामने आया है कि अधिकांश डॉक्टर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित कार्यघंटों से कहीं अधिक समय तक ड्यूटी कर रहे हैं।

एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एआरडी) के अध्यक्ष और नेफोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विष्णु जिंजा ने बताया कि पीजीआई के आंतरिक सर्वे और फाइमा के राष्ट्रीय आरएमएस 2.0 सर्वे के निष्कर्ष केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को भेज दिए गए हैं। उनका कहना है कि रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए निश्चित कार्य घंटे, साप्ताहिक अवकाश और मानसिक स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित करना केवल डॉक्टरों के हित का विषय नहीं, बल्कि मरीजों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से भी जुड़ा मुद्दा है। यदि इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो मामला सुप्रीम कोर्ट तक ले जाया जाएगा।

निजी जीवन और परिवार के लिए नहीं बच रहा समय

लंबी ड्यूटी का असर डॉक्टरों के निजी जीवन पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सर्वे में 85.5 प्रतिशत डॉक्टरों ने माना कि लंबे कार्य घंटे उनके पारिवारिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। वहीं 79.9 प्रतिशत डॉक्टरों ने स्वीकार किया कि वे अक्सर काम के बोझ से अभिभूत महसूस करते हैं, जबकि 84.8 प्रतिशत को शिफ्टों के बीच पर्याप्त आराम तक नहीं मिल पाता।

मानसिक थकान बढ़ी, शौक और निजी जीवन पीछे छूटा

लगातार काम के दबाव का असर डॉक्टरों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। 87.8 प्रतिशत डॉक्टरों ने कहा कि वे अक्सर मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करते हैं। वहीं 47.4 प्रतिशत डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें अपने शौक, व्यायाम या व्यक्तिगत रुचियों के लिए बिल्कुल समय नहीं मिल पाता। कई डॉक्टरों ने परिवार के साथ समय बिताने में भी कठिनाई जताई।

तय सीमा से कहीं अधिक काम कर रहे डॉक्टर

सर्वे के अनुसार करीब 90 प्रतिशत रेजिडेंट डॉक्टर एनएमसी द्वारा निर्धारित 74 घंटे प्रति सप्ताह की सीमा से अधिक काम कर रहे हैं। इनमें 45.2 प्रतिशत डॉक्टर सप्ताह में 80 घंटे से अधिक ड्यूटी करते हैं, जबकि 34.2 प्रतिशत डॉक्टरों की ड्यूटी 61 से 80 घंटे के बीच रहती है। केवल करीब 10 प्रतिशत डॉक्टर ही निर्धारित कार्यघंटों के भीतर काम कर पा रहे हैं।

हर दूसरा डॉक्टर मानसिक तनाव से जूझ रहा

सर्वे में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। 37.7 प्रतिशत डॉक्टरों ने खुद को उच्च स्तर के तनाव में बताया, जबकि 16.7 प्रतिशत ने अत्यधिक मानसिक दबाव महसूस करने की बात कही। इसके अलावा 35.5 प्रतिशत डॉक्टर मध्यम स्तर के तनाव से गुजर रहे हैं। यानी अधिकांश युवा डॉक्टर लगातार मानसिक दबाव के बीच मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

क्षमता से अधिक काम लेने का आरोप

सर्वे में 78 प्रतिशत से अधिक डॉक्टरों ने महसूस किया कि उनसे उनकी व्यावहारिक क्षमता से अधिक काम लिया जा रहा है। लगातार बढ़ते कार्यभार और मानसिक दबाव के कारण कई डॉक्टर भावनात्मक और मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है।

सुधार के लिए उठाए गए कदम, लेकिन अभी लंबा सफर

डॉ. विष्णु जिंजा ने बताया कि पिछले वर्ष पीजीआई प्रशासन को प्रत्येक विभाग में साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करने और ड्यूटी घंटों को संतुलित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके बाद कुछ विभागों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं, लेकिन अभी भी कई विभागों में यह व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का तनाव कम करने के लिए योग सत्र, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और वेलनेस कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। अब प्रयास है कि इन सुविधाओं को सभी विभागों तक पहुंचाया जाए, ताकि युवा डॉक्टर बेहतर मानसिक स्थिति में रहकर मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध करा सकें।

नगर निगम कर्मचारियों की लंबित मांगों पर मेयर सौरभ जोशी ने दिया शीघ्र कार्रवाई का भरोसा

चंडीगढ़/यूटर्न/02 जुलाई। नगर निगम चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने गुरुवार को विभिन्न कर्मचारी और मजदूर यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी और कल्याणकारी मांगों पर चर्चा की। इस दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मेयर को सौंपे।

बैठक में यूनियनों ने समय पर वेतन, पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान, मेडिकल प्रतिपूर्ति, अनुकंपा नियुक्तियों, पात्र कर्मचारियों के नियमितीकरण, आउटसोर्स कर्मचारियों के कल्याण, अवकाश सुविधाओं, वर्दी, सुरक्षा उपकरण, पहचान पत्र तथा लंबित एरियर के भुगतान सहित कई मुद्दे उठाए। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों, रोड वर्करों, सुरक्षा गार्डों और विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों से जुड़े मामलों के शीघ्र समाधान की भी मांग की गई।

मेयर सौरभ जोशी ने सभी मांगों और शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि प्रत्येक वास्तविक मांग की संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम के कर्मचारी शहर की नागरिक सेवाओं की रीढ़ हैं और उनके हितों की रक्षा करना नगर निगम की प्राथमिकता है। मेयर ने यह भी कहा कि जिन मामलों का संबंध चंडीगढ़ प्रशासन से है, उन्हें संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठनों के साथ नियमित संवाद से न केवल कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित होगा, बल्कि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

बैठक के बाद यूनियन प्रतिनिधियों ने मेयर के सकारात्मक रुख की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी लंबे समय से लंबित मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई की जाएगी।

आईसीएआई के चंडीगढ़ ब्रांच द्वारा भव्य रूप से मनाया गया सीए दिवस

चंडीगढ़ /यूटर्न/02 जुलाई। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद (NIRC) की चंडीगढ़ शाखा द्वारा सीए दिवस का भव्य आयोजन शाखा के अध्यक्ष सीए साहिल गर्ग के नेतृत्व तथा सीए प्रतीक पुरी एवं सीए शुभम मोंगा नकासा के चेयरमैन संजीव कुमार कुशल समन्वय में किया गया। अपने भव्य स्वरूप, उत्कृष्ट योजना और सफल संचालन के कारण यह आयोजन न केवल चंडीगढ़ बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक नई मिसाल बनकर उभरा।

इस ऐतिहासिक समारोह में ट्राइसिटी से 2,000 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह सीए बिरादरी के सबसे बड़े आयोजनों में से एक बन गया।

समारोह के मुख्य अतिथि पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया जी रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की राष्ट्र निर्माण, आर्थिक विकास और पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध सूफी संगीत समूह निजामी बंधु की मनमोहक प्रस्तुति रही, जिसने अपनी सुरमयी गायकी से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और संगीतमय बना दिया तथा उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर बीजेपी चंडीगढ़ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय टंडन ,चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी प्रख्यात समाजसेवी पवन शर्मा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विशिष्ट समाजसेवियों, अग्रणी संस्थानों तथा सफल उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों एवं समाज के प्रति अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यह आयोजन न केवल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण, उत्तरदायित्व और उत्कृष्ट सेवाओं का भी गौरवपूर्ण सम्मान था।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372